[This question paper contains 6 printed pages.]

2827 आपका अनुक्रमांक _____

**B.EL.Ed.** **J**

Paper O – 2.2

HINDI – I

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 70

*(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)*

**सभी** *प्रश्न अनिवार्य है।*

1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषयों पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखें –

(क) समाचारपत्र में शीर्ष-पंक्ति की भाषा का महत्त्व और स्वरूप

(ख) भाषिक अशुद्धि के प्रकार

(ग) 'लिखित शब्द संदर्भ से मुक्त हो जाता है।' (4+4)

2. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर निबंध लिखें –

(क) विश्वग्राम में मनुष्य

(ख) निजभाषा उन्नति अहै सब उन्नति को मूल

(ग) विज्ञापन : एक संस्कृति (8)

P.T.O.

3. पत्र अथवा डायरी के गद्यरूप का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर अपनी शब्द-संरचना प्रस्तुत करें -

(क) जो याद रहेगा मुझे सदा

(ख) सबसे बड़ा टॉनिक : निन्दा रस

(ग) आश्चर्य और रोमांच से भरा एक सफ़र (8)

4. निम्नलिखित गद्यांश में प्रयुक्त मुहावरों और कहावतों में से कोई तीन प्रयोग चुन कर संदर्भानुसार उनका अर्थ स्पष्ट कीजिए और मौलिक वाक्यों में प्रयोग कीजिए -

कलेजा थाम कर मैं उनके उत्तर की प्रतीक्षा करता रहा लेकिन भैंस के आगे बीन बजाओ, भैंस खड़ी पगुराय। बोलो देवी, कुछ तो बोलो। मुझे पता चले कि मेरी विद्वत्ता का तुम पर कोई असर पड़ा भी कि नहीं। उसने मुझको देखा। आँखों में विनोद और कौतुक। मानो कह रही हो, मैं तुम्हारी नस नस पहचानती हूँ बच्चू। थोथा चना बाजे घना। उस नज़र ने मुझको मानो घड़ों पानी से नहला दिया। काटो तो खून नहीं। पकड़ा गया। (6)

5. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी कीजिए -

(क) 'अँधेरनगरी' के शीर्षक की व्यंजना

(ख) चौपट राजा का चरित्र

(ग) आज के संदर्भ में अँधेरनगरी (5+5)

6. निम्नलिखित अनुच्छेदों को ध्यानपूर्वक पढ़ कर संबन्धित प्रश्नों का उत्तर दीजिए -

(क) क्या सचमुच पहले भी ज़िन्दगी को मिटा कर इन्सान नये सिरे से ज़िन्दगी शुरू कर सकता है ? कितने इन्सान हैं जिनकी ज़िन्दगी कहीं न कहीं किसी न किसी दोराहे से ग़लत दिशा की तरफ़ भटक जाती है। क्या उचित यह नहीं कि इन्सान उस रास्ते को बदल कर अपने को सही दिशा में ले जाए ? आखिर आदमी के पास एक ही तो ज़िन्दगी होती है - प्रयोग के लिये भी और जीने के लिये भी। तो क्यों आदमी एक प्रयोग की असफलता को ज़िन्दगी की असफलता मान ले।

**प्रश्न :**

(i) प्रस्तुत अनुच्छेद किस रचना से लिया गया है ? उसके रचनाकार का नाम भी बताइये।

(ii) रचना के शीर्षक की सार्थकता पर विचार करें।

(iii) रेखांकित अंशों का अर्थ स्पष्ट करें। (2+2+3)

**अथवा**

मेरा मन जाने कैसे गंभीर प्रेम के भाव से आशुतोष के प्रति उमड़ रहा था। मुझे ऐसा मालूम होता था कि ठीक इस समय आशुतोष को हमें अपनी सहानुभूति से वंचित नहीं करना चाहिये। बल्कि कुछ अतिरिक्त स्नेह इस समय बालक को मिलना चाहिये। मुझे यह एक भारी दुर्घटना मालूम देती थी। मालूम होता था कि अगर आशुतोष ने चोरी की है तो उसका उतना दोष नहीं है, बल्कि यह हमारे

ऊपर बड़ा भारी इल्ज़ाम है। बच्चे में चोरी की आदत भयावह हो सकती है। लेकिन बच्चे के लिये वैसी लाचारी उपस्थित हो आई, यह और भी भयावह है। यह हमारी आलोचना है। हम उस चोरी से बरी नहीं हो सकते।

प्रश्न :

(i) प्रस्तुत अनुच्छेद किस रचना से लिया गया है ? उसके रचनाकार का नाम भी बताइये।

(ii) बच्चे को अतिरिक्त स्नेह क्यों मिलना चाहिये ?

(iii) रेखांकित अंशों का अर्थ स्पष्ट कीजिये।

(ख) इसके उपरान्त घीसा अच्छा हो गया और धूल और सूखी पत्तियों को बाँधकर उन्मत्त के समान घूमने वाली गर्मी की हवा से उसका रोज़ संग्राम छिड़ने लगा - झाड़ते झाड़ते ही पाठशाला धूल धूसरित हो कर भूरे, पीले और कुछ हरे पत्तों की चादर में छिप कर तथा कंकालशेषी शाखाओं में उलझते, सूखे पत्तों को पुकारते वायु की संतप्त सरसर से मुखरित हो कर उस भ्रान्त बालक को चिढ़ाने लगती।

प्रश्न :

(i) प्रस्तुत अनुच्छेद किस रचना से लिया गया है ? उसके रचनाकार का नाम भी बताइये।

(ii) अनुच्छेद की भाषा पर संक्षिप्त टिप्पणी करें।

(iii) रेखांकित अंशों का तात्पर्य स्पष्ट करें। (2+2+3)

अथवा

इसे उन्नीसवीं सदी के फ़ैशन के अनुसार नास्तिक बनने का हौसला चर्राया है ज़ो उस अगम अपार अरणोरणीयान महतो महीयान की शान में भी ऐसी बेअदबी औ ढिठाई के साथ कुफ़्र का कलमा कह रहा है। जो हो, पर मुझे तो बहुत से अस्त व्यस्त कारखाने देख कर कुछ ऐसी ही जी में भासती है कि या तो वह कुंभकरण का जेठा भाई बनने की हवस बुझाय रहा है या यदि सब अस्त व्यस्त कारखाने ईश्वरता के निदर्शन हैं तो वह घनघोर नींद में सो रहा है। या जागता है तो कोई बड़ा ही ठठोल दिल्लगीबाज़ मसखरा है, नहीं तो बेफ़िक्र और असावधान होने में तो कोई शक ही नहीं है।

प्रश्न :

(i) प्रस्तुत पंक्तियाँ किस रचना से ली गई है ? उसके रचनाकार का नाम भी बताइये।

(ii) इन पंक्तियों में ईश्वर के संबंध में क्या विचार व्यक्त किए गए हैं ?

(iii) रेखांकित अंशों का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

7. पठित रचना के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये –

(क) 'बड़े भाई साहब' से उदाहरण देते हुए 'पुस्तकीय ज्ञान बनाम अनुभव' पर एक टिप्पणी लिखिए।

(ख) परिवार के भीतर बड़े और छोटे के बीच के रिश्तों को लेकर 'बड़े भाई साहब' कहानी क्या नज़रिया हमारे सामने रखती है ?

(4+4)

अथवा

(क) 'कम्पनी की औरत की लदंनी . . .' इस टिप्पणी के प्रकाश में हीरा बाई के आचरण का विश्लेषण कीजिए।

(ख) एक व्यक्ति के रूप में हिरामन आपको कैसा लगता है और क्यों ?

8. (क) 'नाखून क्यों बढ़ते हैं' नामक निबन्ध में नाखून के प्रतीकार्थ पर अपने विचार प्रकट कीजिये।

(ख) नाखून क्यों बढ़ते हैं नामक निबंध में 'स्वाधीनता' और 'इण्डिपेण्डेस' में लेखक ने क्या अन्तर किया है ? क्या आप इससे सहमत हैं ?

(4+4)

अथवा

(क) 'गेहूँ और गुलाब' नामक निबन्ध के आधार पर दोनों के प्रतीकार्थों का स्पष्टीकरण कीजिये।

(ख) 'गेहूँ और गुलाब' के केन्द्रीय विचार को संक्षेप में प्रस्तुत कीजिये।